मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सांतवा दीक्षान्त समारोह

शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है- उड़ीसा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी : भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों ने प्राप्त की मेवाड़ विश्वविद्यालय से उपाधि : समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री

चित्तौड़गढ़(नरेश सोनी, हैलो राजस्थान)। मेवाड़ विश्वविद्यालय का सांतवा दीक्षांत समारोह 05 मार्च को रविवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी रहे। इस समारोह में 2304 डिग्रियां प्रदान की गई और बड़ी संख्या में डिग्री लेने पहुंचे विद्यार्थियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा । उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन कि ओर से किये गए इंतजाम की भी जमकर तारीफ की । बीटेक (सीएससी) की विद्यार्थी अंजलि नवाल ने विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। इसके बाद मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व

सामर्थ्यवान बनाती है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र बताते हुए कहा कि दूरदृष्टि, समर्पण, श्रद्धा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता। अगर सही दिशा व अथक प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में सभी डिग्री धारियो को बधाई देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है और मेवाड़ विश्वविद्यालय का पूरा प्रयास है कि शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय व अन्य क्षेत्र में विद्यार्थियों को तैयार करना हैं ताकि वह अपने - अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, अपने देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में होने वाली विभिन्न उपलब्धियों और गतिविधियों के बारें में जानकारी दी और कहा कि यहाँ के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं। यह विश्वविद्यालय ऐसी प्लेटफॉर्म है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है।

इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय नालंदा विश्वविद्यालय की राह पर चल रहा है। इस विश्वविद्यालय में देश से ही नहीं विश्व के विभिन्न देशों से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं और विभिन्न देशों के प्राध्यापक भी यहां पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

दीक्षान्त समारोह में प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डी. लिट. की उपाधि से नवाजा गया। आईएएस चेतन राम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमित कुमार सिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव ए. राजा ने किया। इस आयोजन में मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य राधाकिशन गदिया, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कार व भारत के भविष्य निर्माण करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है - सेवानिवृत्त जज कुद्दुसी

विद्यार्थी सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें सफल होने से कोई नही रोक सकता- कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सातवा दीक्षान्त समारोह

समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री

भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों ने प्राप्त की मेवाड़ विश्वविद्यालय से उपाधि

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़(लाइव स्टोरी-अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय का सातवा दीक्षांत समारोह दिनांक 05 मार्च 2023 रविवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़ के परिसर में आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुदुसी रहे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। ततपश्चात मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता इशरत मसरूर कुदुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफ़ल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र बताते हुए कहा कि दूरदृष्टि, समर्पण, श्रध्दा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता। अगर सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में सभी डिग्री धारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है और मेवाड़ विश्वविद्यालय का पूरा प्रयास है कि शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय व अन्य क्षेत्र में विद्यार्थियों को तैयार करना हैं ताकि वह अपने - अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, अपने देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में होने वाली विभिन्न उपलब्धियों और गतिविधियों के बारें में जानकारी दी और कहा कि यहाँ के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं।

मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कार व भारत के भविष्य निर्माण करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है- सेवानिवृत्त जज कुद्दुसी

विद्यार्थी सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता- कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सांतवा दीक्षान्त समारोह

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय का सांतवा दीक्षांत समारोह दिनांक 05 मार्च 2023 रविवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, जिला चित्तौड़ाढ़ के परिसर में आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी रहे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। ततपश्चात मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता इशरत मसरूर कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र बताते हुए कहा कि दूरदृष्टि, समर्पण, श्रध्दा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता। अगर सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता । मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में सभी डिग्री धारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है और मेवाड़ विश्वविद्यालय का पूरा प्रयास है कि शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय व अन्य क्षेत्र में विद्यार्थियों को तैयार करता हैं ताकि वह अपने - अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, अपने देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में होने वाली विभिन्न उपलब्धियों और गतिविधियों के बारें में जानकारी दी और कहा कि यहाँ के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं। यह विश्वविद्यालय ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में मेवाड़ विश्वविद्यालय विश्व के विभिन्न देशों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं

दैनिक
न्यूज ज्योति

प्रादेशिक/वाणिज

जयपुर, सोमवार, 6 मार्च 2023

मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कार व भारत के भविष्य निर्माण करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है - सेवानिवृत्त जज कुद्दुसी

विद्यार्थी सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता- कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सांतवा दीक्षान्त समारोह

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय का सांतवा दीक्षांत समारोह दिनांक 05 मार्च 2023 रविवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़ के परिसर में आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी रहे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। ततपश्चात मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता इशरत मसरूर कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफ़ल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र बताते हुए कहा कि दूरदृष्टि, समर्पण, श्रध्दा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता।

अगर सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में सभी डिग्री धारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है और मेवाड़ विश्वविद्यालय का पूरा प्रयास है कि शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय व अन्य क्षेत्र में विद्यार्थियों को तैयार करना हैं ताकि वह अपने - अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, अपने देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में होने वाली विभिन्न उपलब्धियों और गतिविधियों के बारें में जानकारी दी और कहा कि यहाँ के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं। यह विश्वविद्यालय ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में मेवाड़ विश्वविद्यालय विश्व के विभिन्न देशों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं और इस विश्वविद्यालय में विभिन्न देशों के प्राध्यापक यहां अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय की यही खूबियां इसे नालंदा विश्वविद्यालय की तर्ज पर चलने की राह दिखा रही है। दीक्षान्त समारोह में प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डी. लिट. की उपाधि से नवाजा गया। आईएएस चेतन राम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमित कुमार सिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। बीटेक (सीएससी) की विद्यार्थी अंजलि नवाल ने विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गई।

समारोह में धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव ए. राजा ने किया। इस आयोजन में मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य राधाकिशन गदिया, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कार व भारत के भविष्य निर्माण करने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है - सेवानिवृत्त जज कुद्दुसी

विद्यार्थी सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता- कुलाधिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ सांतवा दीक्षान्त समारोह, समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री
भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों ने प्राप्त की मेवाड़ विश्वविद्यालय से उपाधि

चीताखेड़ा। (स्वर्णिम हिन्दुस्तान)
(लाइव स्टोरी-अमित कुमार चेचानी)।

मेवाड़ विश्वविद्यालय का सांतवा दीक्षांत समारोह दिनांक 05 मार्च रविवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय, गंगरार, जिला चित्तौड़गढ़ के परिसर में आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी रहे। इस समारोह में विश्वविद्यालय के 2304 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। ततपश्चात मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता इशरत मसरूर कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफ़ल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मन्त्र बताते हुए कहा कि दूरदृष्टि, समर्पण, श्रध्दा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता। अगर सही दिशा व निरंतर प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में सभी डिग्री धारियों को बधाई देते हुए कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है और मेवाड़ विश्वविद्यालय का पूरा प्रयास है कि शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय व अन्य क्षेत्र में विद्यार्थियों को तैयार करना हैं ताकि वह अपने - अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार का, अपने देश का नाम रोशन कर सके। इस अवसर पर उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में होने वाली विभिन्न उपलब्धियों और गतिविधियों के बारें में जानकारी दी और कहा कि यहाँ के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं। यह विश्वविद्यालय ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में मेवाड़ विश्वविद्यालय विश्व के विभिन्न देशों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं और इस विश्वविद्यालय में विभिन्न देशों के प्राध्यापक यहां अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय की यही खूबियां इसे नालंदा विश्वविद्यालय की तर्ज पर चलने की राह दिखा रही है

दीक्षान्त समारोह में प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डी. लिट. की उपाधि से नवाजा गया। आईएएस चेतन राम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमित कुमार सिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। बीटेक (सीएससी) की विद्यार्थी अंजलि नवाल ने विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गई। समारोह में धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव ए. राजा ने किया।

इस आयोजन में मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य राधाकिशन गदिया, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षा सफलता का द्वार खोलती है : कुद्दुसी

चित्तौड़गढ़ | मेवाड़ विश्वविद्यालय का 7वां दीक्षांत समारोह मेवाड़ विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। मुख्य अतिथि उड़ीसा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी थे। समारोह में 2304 डिग्रियां दी गईं। बीटेक (सीएससी) की अंजलि नवाल विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गईं। मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोककुमार गदिया ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जज कुद्दुसी ने कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोककुमार गदिया ने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मंत्र बताए। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने सभी डिग्री धारियों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और गतिविधियों को बताया। प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय नालंदा विश्वविद्यालय की राह पर चल रहा है। प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डी. लिट. की उपाधि से नवाजा गया। आईएएस चेतनराम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमितकुमारसिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए पीएचडी की उपाधि दी गई। कुल सचिव ए. राजा ने आभार जताया। मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविंदलाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकिशन गदिया, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Dainik Bhaskar 06-03-2023

शिक्षा खोलती है मनुष्य की सफलता के द्वार: जस्टिस कुद्दुसी

›› मेवाड़ विश्वविद्यालय में 2304 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान

गंगरार, 5 मार्च (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में रविवार को उड़ीसा हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस इशरत मसरूर कुद्दुसी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित सातवें दीक्षांत समारोह में 2304 विद्यार्थियों डिग्रियां प्रदान की। सीएससी की विद्यार्थी अंजलि नवाल विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जस्टिस कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाकर विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने छात्र. छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। उन्होने विद्यार्थियों को सफलता के मूल मंत्र बताते हुए कहा कि दूर दृष्टि, समर्पण, श्रद्धा, संकल्प, दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत एवं अनुशासन आपको जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचता। कार्यक्रम में मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज से आपके जीवन की नई शुरुआत शुरुआत हो रही है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि यहां से निकलने वाले विद्यार्थी शिक्षा, चिकित्सा, खेलकूद, न्याय सहित अपने-अपने क्षेत्र में अपना, अपने परिवार, अपने देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने भी संबोधित किया।

दीक्षान्त समारोह में प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डी. लिट, आईएएस चेतनराम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमित कुमार सिंह को अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। आयोजन में मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट के सदस्य राधाकिशन गदिया, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद कुल सचिव ए राजा ने व्यक्त किया।

Jannayak 06-03-2023

शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है: कुद्दुसी

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ दीक्षान्त समारोह

2304 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय का सातवा दीक्षांत समारोह रविवार को आयोजित हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी रहे। इस समारोह में 2304 डिग्रियां प्रदान की गई। बीटेक सीएससी की विद्यार्थी अंजलि नवाल ने विश्वविद्यालय की गोल्ड मेडलिस्ट चुनी गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना व कुलगीत से हुई। इसके बाद मेवाड़ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने मंचासीन सभी अतिथियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता सेवानिवृत्त जज इशरत मसरूर कुद्दुसी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य की सफलता का द्वार खोलती है। शिक्षा के माध्यम से इंसान अनुशासन व आचरण सीखता है और अपने जीवन को सफल बनाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है जहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों में शिक्षा, संस्कार व भारत का भविष्य निर्माण करना उद्देश्य है। विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कहा कि यह विद्यार्थियों के लिए जीवन का महत्वपूर्ण दिन है। यह उनके लिए स्वर्णिम दिन होता है जहां अपनी मेहनत को सफल होते देखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाती है और विवेकवान व सामर्थ्यवान बनाती है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति गदिया ने कहा कि आपके व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में मेवाड़ विश्वविद्यालय सदैव आपके साथ है। अगर सही दिशा व अथक प्रयास करते रहे तो उन्हें जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय ऐसी तपोस्थली है जहां किसी भी छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर प्रतिकुलपति आनन्दवर्द्धन शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय नालंदा विश्वविद्यालय की राह पर चल रहा है। दीक्षान्त समारोह में प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार पॉल को डीलिट की उपाधि से नवाजा गया। आईएएस चेतन राम देवड़ा, राजेश मिश्रा व अमित कुमार सिंह को अपने- अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने हेतु पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में धन्यवाद ज्ञापन कुल सचिव ए. राजा ने किया।

Dainik Navajyoti 06-03-2023